गंगा एक्सप्रेसवे समय से पहले ही पूरा होगा, माइल स्टोन कार्य पूर्ण

- यूपीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने की ग्रीन फील्ड परियोजना की समीक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : योगी आदित्यनाथ सरकार की महत्वाकांक्षी ग्रीन फील्ड परियोजना, गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य समय से पहले होने के आसार हैं। मेरठ से प्रयागराज को जोड़ने वाले 594 किमी के गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है। तय समय से पहले ही प्रथम माइल स्टोन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। कुंभ मेला -2025 से पहले गंगा एक्सप्रेसवे को पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। सरकार की योजना लोकसभा चुनाव 2024 से पहले एक्सप्रेसवे के कुछ हिस्सों को शुरू करने की भी है।

यूपीडा की बैठक में गुरुवार को मुख्य कार्यपालक अधिकारी नरेंद्र भूषण ने गंगा एक्सप्रेसवे एक्सेस कंट्रोल्ड (ग्रीन फील्ड) परियोजना के निर्माण कार्यों पर बताया कि तय समय सीमा से पहले ही प्रथम माइल स्टोन का कार्य पूरा किया जा चुका है। गंगा एक्सप्रेसवे के लिए कुल आवश्यक भूमि का क्रय व अधिग्रहण किया जा चुका है। इसके साथ ही परियोजना के अंतर्गत 87 प्रतिशत से अधिक सी एंड जी (क्लीयरिंग एंड ग्रबिंग) एवं 16 प्रतिशत से अधिक मिट्टी का कार्य किया जा चुका है। दस व्हीकल अंडरपास (वीयूपी) तथा 91 बाक्स कलवर्ट का निर्माण भी पूर्ण किया जा चुका है। परियोजना के लिए निर्धारित प्रथम माइल स्टोन की प्राप्ति के लिए गति के सापेक्ष निर्माण कार्य की प्रगति से आगे है।

गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य 12 पैकेजों चार ग्रुपों (प्रत्येक ग्रुप में तीन पैकेज) में विभक्त कर कराया जा रहा है। इस एक्सप्रेसवे के संरेखण में पड़ने वाले प्रदेश की दो महत्वपूर्ण नदियों गंगा एवं रामगंगा पर दीर्घ सेतु सहित आपातकालीन स्थिति में भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों की लैंडिंग-टेक आफ के लिए शाहजहांपुर में 3.5 किमी लंबी हवाई पट्टी भी विकसित की जानी है।

गंगा एक्सप्रेसवे जनपद मेरठ से शुरु होकर हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, सम्भल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ एवं प्रयागराज पर समाप्त होगा। 594 किमी प्रस्तावित (एक्सेस कंट्रोल्ड ग्रीन फील्ड) गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना के चारों ग्रुप का निर्माण आइआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर और अडाणी इंफ्रास्ट्रक्चर द्वारा कराया जा रहा है। बैठक में औद्योगिक विकास के प्रमुख सचिव अनिल कुमार सागर एवं यूपीडा के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्रीश चंद्र वर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

यह और उप्र की राजनीति, सरकार और अपराध संबंधित अन्य खबरें www.jagran.com पर पढ़ें